कैंसर की दवाएँ टस्लिलेलजि़ुमैब और ज़ानुब्रुटनिबि

[स्रोत: द हिंदू]

भारत को **टस्लिलेलजि़ुमैब (Tislelizumab) और ज़ानुब्रुटनिबि (Zanubrutinib)** नाम की दो नई कैंसर दवाएँ प्राप्त होने वाली हैं।

- टस्लिलेलजि़ुमैब, एक नई इम्यूनोथेरेपी दवा, उन्नत **एसोफेजयिल स्क्वैमस सेल कार्सनिोमा** (कैंसर जो अन्नप्रणाली के अंदर की पतली, सपाट कोशकिाओं में बनता है) के इलाज में प्रभावशीलता दखिा रही है।
- ज़ानुब्रुटनिबि नामक दवा **ब्रूटन टायरोसनि कीनेज़ (Bruton's Tyrosine Kinase- BTK)** नामक प्रोटीन को नयिंत्रति करती है, जो कुछ कैंसरग्रस्त रक्त कोशकिाओं के वकिास और अस्तत्वि के लयि आवश्यक है।
  - इसे वशिष्टि प्रकार के **रक्त कैंसर** के उपचार के लयि अनुमोदति कयिा गया है।
- यह [कैंसर] रोगों के एक समूह को संदर्भति करता है जो **शरीर में असामान्य कोशकिाओं के अनयिंत्रति प्रसार** से होता है, जो **स्वस्थ ऊतकों और अंगों में नुकसान पहुँचा** सकते हैं।
- वर्ष 2019 में **भारत में 1.2 मलियिन कैंसर के नए मामले** और लगभग 930,000 मौतें हुईं, जसिसे यह **उस वर्ष एशयिा में इस बीमारी में दूसरा सबसे बड़ा योगदानकर्त्ता** बन गया।
  - [भारतीय चकित्सिा अनुसंधान परषिद] के अनुसार, देश में कैंसर के मामले वर्ष 2022 में 14.6 लाख से बढ़कर 2025 में 15.7 लाख होने का अनुमान है।

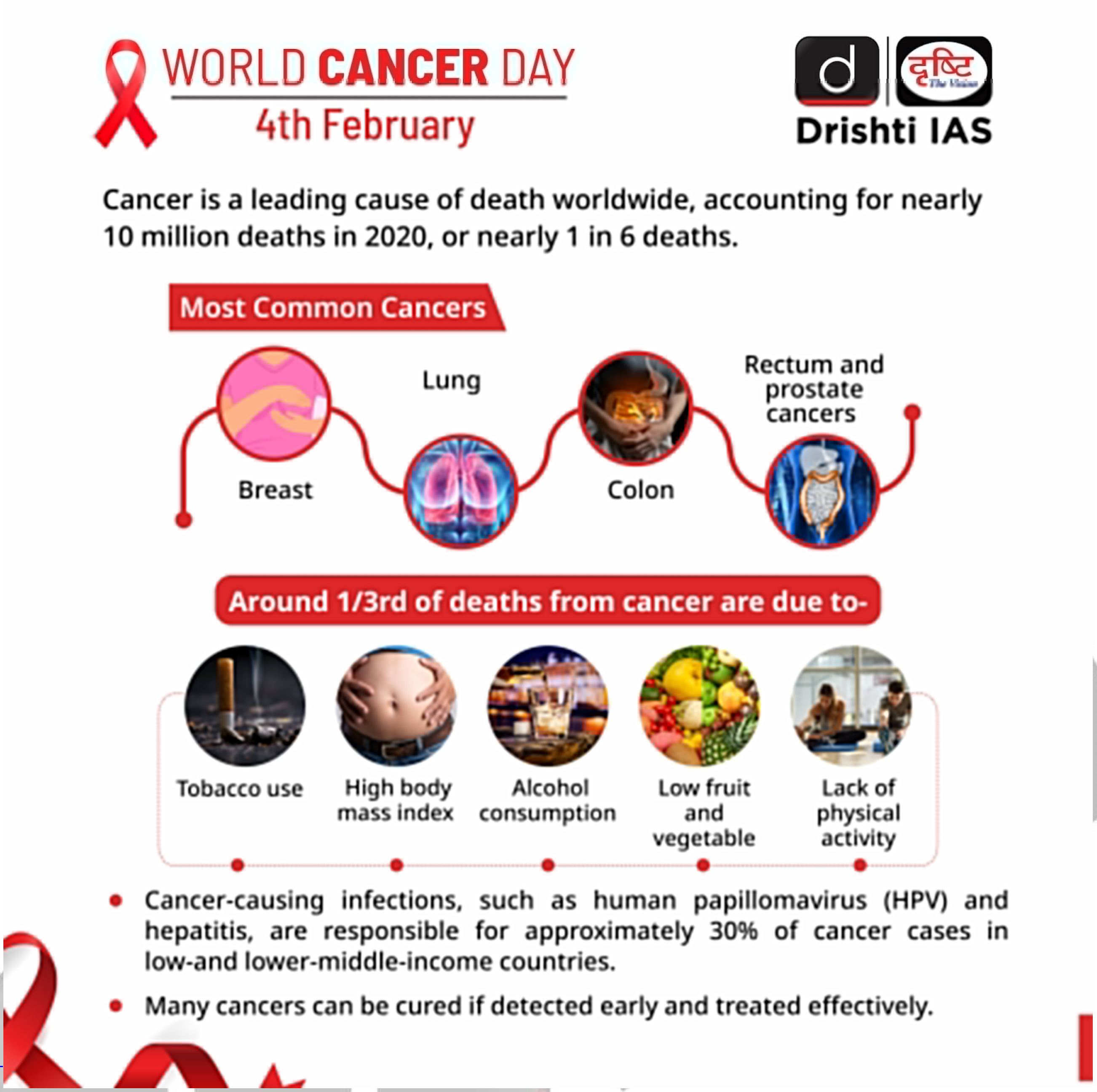

और पढ़ें: कैंसर का वैश्विक प्रभाव: WHO।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/cancer-drugs-tislelizumab-and-zanubrutinib